समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मल्लिकार्जुन खड़गे का कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर फूटा गुस्सा, 'डीके-डीके' के नारे लगाने वालों को कहा- "चुप रहो, निकम्मे लोग"

Sanket Morankar Published on 22 Jun 2026

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान अनुशासनहीनता पर नाराजगी जताते हुए कार्यकर्ताओं को कड़ी फटकार लगाई। कर्नाटक कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थन में लगातार "डीके-डीके" के नारे लगाए जाने पर खड़गे मंच से ही भड़क गए।

"यह कांग्रेस का कार्यक्रम है, किसी एक व्यक्ति का नहीं"

कार्यक्रम के दौरान नारेबाजी बढ़ने पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "**चुप रहो, बैठ जाओ। निकम्मे लोग! यह कांग्रेस पार्टी की बैठक है, किसी एक व्यक्ति की नहीं।**"

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी को मजबूत और एकजुट करना है। यदि हर कोई अलग-अलग नेताओं के नाम के नारे लगाएगा तो संगठन कमजोर होगा।

डीके शिवकुमार ने भी कराया शांत

मंच पर मौजूद कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी स्थिति को संभालने की कोशिश की। उन्होंने खड़े होकर कार्यकर्ताओं से शांत रहने और कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से चलने देने की अपील की।

अनुशासनहीनता पर कार्रवाई की चेतावनी

खड़गे ने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी ही सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की पहचान है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच की जाएगी और अनुशासन तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा, "**जिसने भी यहां नारेबाजी की है, उसकी फुटेज मौजूद है। उसे देखकर अनुशासनात्मक कार्रवाई की**

जाएगी।”

कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन के बाद पहला बड़ा कार्यक्रम

बीके हरिप्रसाद का शपथ ग्रहण समारोह ऐसे समय आयोजित हुआ जब कर्नाटक कांग्रेस हाल ही में नेतृत्व परिवर्तन के दौर से गुजरी है। जून 2026 में कांग्रेस नेतृत्व ने मुख्यमंत्री पद पर बदलाव करते हुए सिद्धारमैया की जगह डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया था।

यह बदलाव लंबे समय से चल रहे सत्ता संतुलन और नेतृत्व विवाद के बाद हुआ था। इससे पहले दोनों नेताओं के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर लगातार खींचतान की खबरें सामने आती रही थीं।

पार्टी एकजुटता पर जोर

खड़गे ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत नेताओं के बजाय संगठन को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मजबूती अनुशासन और एकजुटता से ही संभव है तथा सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी हित को सर्वोपरि रखना चाहिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.